S-364

Total Pages : 2 Roll No. .....

CVK-01

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. त्रिकाल संध्या विधान का सविस्तार वर्णन कीजिए।

2. पञ्चदेव पूजन से आप क्या समझते हैं? सविस्तार लिखिए।

3. भारतीय सनातन परम्परा में पुराणों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. संकल्प का परिचय देते हुए महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

5. सनातन परम्परा में वेदों के महत्त्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. पूजन में दस दिक्पाल के महत्त्व को निरूपित कीजिए।

2. वास्तोष्पति का पूजन विधान लिखिए।

3. पञ्च लोकपालों का परिचय दीजिए।

4. सूर्य व चन्द्र का वैदिक मंत्र लिखिए।

5. षोडशमातृका क्या है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

6. भारतीय परम्परा में गणेश पूजन क्यों आवश्यक है? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. स्वस्तिवाचन क्यों आवश्यक है? इसके महत्त्व को समझाइए।

8. पञ्चमहायज्ञ क्या है? परिभाषित कीजिए।